INDEX

पाठ रूल संख्या	विषय	पाठ का प्रकरण	पृष्ठ संख्या
01	संस्कृत	ग्राम जीवनम्	01 - 04
02	संस्कृत	शङ्कराचार्य	05 - 08
03	संस्कृत	वैदिक वन्दना	09 - 12
04	संस्कृत	रक्षाबन्धनं पर्वः	13 - 18
05	संस्कृत	आदर्श पुरुषोत्तम रामः	19 - 23

हस्ताक्षर पर्यवेक्षक.................................

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ-योजना संख्या - 1

Page	
Date	1

कौशल → प्रस्तावना कौशल

विद्यालय का नाम :- श्रीमती श्यामा देवी डिग्री कालेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट खिवा रामपुर सकरवारी अम्बेडकर नगर

छात्र अध्यापक का नाम → सुखदेव प्रजापति

दिनाँक	कक्षा	समय	वि०	कालांश
21-12-2019	7	20 मिनट	संस्कृत	I

प्रकरण :- उद्यम जीवनम्

सामान्य उद्देश्य :-

1- छात्र अध्यापको मे पूर्व ज्ञान के परीक्षण मे पाठ को उचित रूप मे प्रारंभ करने की योग्यता का विकास करना।

- छात्र अध्यापको मे विभिन्न कथनो को उचित क्रम मे प्रयोग करने की योग्यता का विकास करना।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

3- छात्र अध्यापकों में अधिगम के प्रति प्रेरणा उत्पन्न करने की योग्यता का विकास करना।

4- छात्र अध्यापकों में सीखी गयी विषय वस्तु एवं सीखने योग्य विषय के मध्य उचित सम्बंध बनाने की योग्यता का विकास करना।

छात्रों का पूर्व ज्ञान :- छात्र सम्बंधित विषय को पूर्व कक्षाओं में पढ़ चुके है अतः वह इस विषय की पूर्व जानकारी रखते है।

प्रस्तुतीकरण :- छात्र सम्बंधित विषय को

क्रम संख्या	छात्र अध्यापक क्रिया		छात्र क्रिया
प्रश्न 1	शुद्धं पवनं कः ददाति ?	उ० 1	वृक्षाः।
प्रश्न 2	वृक्षाः कुत्र कुत्र भवन्ति ?	उ० 2	वने ग्रामे।
प्रश्न 3	ग्रामेषु के के निवसन्ति ?	उ० 3	जनाः पशवः।
प्रश्न 4	बालकाः केन क्रीडन्ति ?	उ० 4	बालकाः कन्दुकेन क्रीडन्ति।
प्रश्न 5	फलानि केभ्यः पतन्ति ?	उ० 5	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन :- अद्य फलानि अध्ययनम् करिष्यामि।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

स्पष्टीकरण

छात्र अध्यापक कथन	छात्र कथन
यह कोन्वा गांव के बाहर है लोग घरो से घड़ा बाहर आते है माली कुए से जल लाता है वह जल से वृक्षो को सीचता है जब फल पक जाते है तब वृक्षो से गिर जाते है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेगें।

गृहकार्य :—

(1) ग्रामस्य बहिः निकषम् अस्ति ?
(2) ग्रामे के निवसन्ति ?

अध्यापक के हस्ताक्षर

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

घटक

(1) कथनों की स्पष्टता
(2) व्याख्या में धारा प्रवाहिता
(3) व्याख्या में प्रश्नीकरण
(4) दृष्टांतों का उपयोग
(5) योजना बद्ध पुनरावृत्ति

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना संख्या - 2

कौशल :- श्यामपट कौशल

विद्यालय का नाम :- श्रीमती श्यामा देवी डिग्री कालेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट बिसवां रामपुर सकरवारी अम्बेडकर नगर।

नाम- छात्रअध्यापक का नाम :- रुद्रदेव प्रजापति

दिनांक	कक्षा	समय	अवधि	कालांश
23-12-2019	6	35 मिनट		II

प्रकरण :- शंकराचार्य

सामान्य उद्देश्य :-

1. कथनों को आरम्भ एवं समाप्त करने की योग्यता का विकास करना।
2. व्याख्या के दौरान विचारों को एक व्यवस्थित क्रम में प्रस्तुत करने की योग्यता का विकास
3. विषय वस्तु से सम्बंधित मुख्य बिन्दुओं को परिवर्तित करके योग्यता का विकास करना।
4. छात्रों की बोध शक्ति के परीक्षण का विकास करना।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

छात्रो का पूर्व ज्ञान :— छात्र शंकराचार्य के बारे में जानकारी रखते हैं।

→↕← प्रस्तुतीकरण →↕←

शिक्षण	छात्र अध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
शंकराचार्य व्याख्या :-	केरल राज्य के पूर्णा नदी के किनारे कालडी नामक एक गांव है यहीं आदि गुरु शंकराचार्य ने 509 ई० पूर्व में जन्म लिया था इनके पिता का नाम शिवगुरु माता का नाम आर्याम्बा था बचपन में ही इनके पिता स्वर्गवासी हो गये इसलिए इनके माता पिता ने इनका लालन पालन किया था शंकराचार्य बचपन से अलौकिक और प्रतिभा सम्पन्न और अत्यंत बुद्धिमान थे।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे	**शंकराचार्य :—** केरलराज्ये पूर्णा नदी तीरे कालडी नाम एकः ग्रामः अस्ति अत्रैव अद्य जगतगुरु शंकराचार्यः 509 ई० पूर्व जन्म अलभत अस्य पिता शिवगुरु आसीत माता आर्याम्बा च आसीत शंकराचार्य पिता बाल्याकाले एवं दिवंगत अस्य पालनं माता अकरोत आचार्य शंकरः बाल्यकालतः एवं अलौकिक प्रतिभा उत्पन्न बुद्धिमान च आसीत्।

SMT SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट
प्रश्न -1	कालड़ी ग्रामः कुत्र अस्ति	उत्तर : अस्ति केरलेषु कालड़ी नामक ग्रामः	
प्रश्न -2	शंकरस्य पिता कदा मृतः	समबोधात्मक	

उद्देश्य कथन —

अद्यवयम् शङ्करस्य पिता कदा मृत विषये अध्ययनम् करिष्यते

स्पष्टीकरण

	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	घटक
प्रश्न -1	शंकरस्य पिता कदा मृतः ?		
उत्तर -1	शंकरस्य पिता बाल्यकाले एवं पिता दिवगतः।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेगें	1, 2, 3 2, 4, 5
प्रश्न -2	माता पुत्र केन गृहतम् अपश्यत ?		
उत्तर -2	आक्रोशम् कुर्वानी तीरगत पुत्रं नक्रेण गृहीतमपश्यत।		

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

गृहकार्य

1. कालड़ी ग्राम: कुत्र अस्ति ?
2. शङ्करस्य पिता कदा मृत: ?
3. माता पुत्र केन गृहीतम् अपश्यत् ?

प्रवेक्षक के हस्ताक्षर

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना संख्या - 3

कौशल :—
पुनर्बलन कौशल

विद्यालय का नाम :— श्रीमती श्यामादेवी डिग्री कालेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट विक्रमपुर सकरवारी अम्बेडकरनगर।

छात्र अध्यापक का नाम :— इन्द्रदेव प्रजापति

दिनांक	कक्षा	समय	विषय	कालांश
24-12-2019	6	20 मि०	संस्कृत	III

प्रकरण :— वैदिक वन्दना

सामान्य उद्देश्य :—

(1) शिक्षण अधिगम प्रक्रिया हेतु छात्रों को तैयार करना एवं उन्हें सम्मिलित करना।
(2) छात्रों को नवीन प्रत्ययों को सीखने हेतु अभिप्रेरित करना।
(3) छात्रों के विषय वस्तु के प्रति शिथिलता एवं विरोध को दूर करना।
(4) छात्रों की गलतियों को सुधार कर अधिगम को प्रभावी बनाना।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

छात्रों का पूर्व ज्ञान :— अद्य वयम् वन्दना नामक पाठ परिचित: सन्ति ।

प्रस्तुतीकरण :—

क्र. सं.	पाठ्य वस्तु	छात्र अध्यापक	छात्र क्रिया	पुर्नबलन
	वैदिक वन्दना पश्येम शरद शतम् जीवम शरद् शतम् श्रृणुयाम प्रब्रवामशरद् शतम् अदीनो स्याम शरद: शतम् भूयश्च शरद शतात्	प्र.1 पश्येम शरद: कति? प्र.2 श्रृणुयाम शरद: कति? प्र.3 जीवेम शरद: कति:? प्र.4 मातृभूमे नमो: मातृभूमी नमो: मातृभूमी नमो: मातृभूमी नमः	उ.- शरद शतम् उ. शरद बहवः उ. शरद शतम् उ. समस्यात्मक	प्रश्नात्मक पुर्नबल प्रश्नात्मक उत्साहिक पुर्नबलन बहुत अच्छा शाबास

उद्देश्यकथनम् :— अद्य मातृभूमे कस्य वन्दना करिष्यामि।

स्पष्टीकरण :—

क्र. सं.	छात्र अध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया	घटक
1	हे मातृभूमि तुम्हे नमस्कार है है मातृभूमि तुम्हे नमस्कार है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	धनात्मक शाब्दिक पुनर्बलन धनात्मक अशाब्दिक पुनर्बलन
	छा. हे गिरिभ्यो नमस्ते नदीभ्यो नमः। हे वनेभ्यो नमः जनपदेभ्यो नमः।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	धनात्मक अशाब्दिक पुनर्बलन
	छा. तुम्हारे पर्वतों को नदियों को जंगलों को नमस्कार है तुम्हारे गाँव प्रान्तों को भी नमस्कार है		

गृहकार्य :— (1) पर्याय शब्द कति?

(2) अनुयाम शब्द कति?

प्रेक्षक के हस्ताक्षर

NKK

घटक

1. अक्षरों की स्पष्टता अक्षरों का आकार मोटाई एवं समान अंतर।
2. श्याम पट्ट लेखन में स्वच्छता।

(क) रेखाओं का एक पंक्ति में होना।
(ख) रेखाओं के बीच पर्याप्त रहे अक्षरों में लेखन न होना श्यामपट्ट कार्य का कौशल।

(ग) शिक्षण बिन्दु में तारतम्यता।
(घ) सरलता एवं संक्षिप्तता।
(ङ) छात्रों का ध्यान आकर्षित करना।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना संख्या – 4

कौशल —

व्याख्या कौशल

विद्यालय का नाम :—

श्रीमती श्यामादेवी डिग्री कालेज ऑफ साइन्स मैनेजमेन्ट शिवपुर बकरवारी अम्बेडकरनगर।

छात्रअध्यापक :—

दिनांक	समय	विषय	अवधि	कक्षा
4/11/2020		संस्कृत		II

प्रकरण :—

रक्षाबन्धन पर्व।

सामान्य उद्देश्य :—

1- छात्रों को स्पष्ट रूप से प्रत्ययों को समझने की योग्यता का विकास करना।
2- छात्रों को पूर्वज्ञान करते हुए मौलिक चिंतन को स्पष्ट करना।
3- छात्रों का ध्यान केन्द्रित करना उनके छात्रों पर।
4- छात्रों का ध्यान केन्द्रित रखने की योग्यता।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

छात्रों का पूर्व ज्ञान —:—

छात्राः रक्षाबन्धनम् नामक विषये सामान्यरूपेण परिचिताः सन्ति ।

प्रस्तुतिकरण

शि. बि.	छात्राध्यापक क्रिया:	छात्र: क्रिया:	श्यामपट्ट कार्य
रक्षाबंधन	रक्षाबन्धनम् पर्व श्रावण मासस्य पूर्णिमायाम् तिथौ भवति । अतैव अस्यनाम श्रावणी इत्यपि प्रसिद्ध अस्ति पर्वणी इत्यादि प्रसिद्ध सर्वे हिन्दुजना: सप्तर्षीणाम् पूजनं कुर्वन्ति । गृहेषु च श्रावणी पूजा होमादि क्रियते ।	छात्रा: ध्यानपूर्वक श्रोष्यन्ति । मुख्यानि बिन्दून स्व उत्तर पुस्तिकासु लेखयन्ति ।	रक्षाबंधनम् पर्वस्य अन्य! नाम: श्रावणी इत्यादि अस्ति? अस्मिन् पर्वणि सप्तर्षीणां पूजनं भवति । पर्वणि पदं अधिकरण कारक सप्तमी विभक्ति च अस्ति इत्यादि पदस्य सन्धि- विच्छेद करु ।
प्रश्न 2	रक्षा बंधन दिवसे कस्याः आयोजन दिवसो भवति ?	उ० प्रथम दिवस: संस्कृत दिवस रूपेणाद घोषित भवति	
प्रश्न 3	हि. दुमापुं समाय ?		

©SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

शि. वि.	छात्र अध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया
प्र० 1	रक्षा सूत्रं स्वीकृत्य किं अकरोत ?	छा० हुमायूं रक्षासूत्रं स्वीकृत्य वर्षों समय रक्षम् अकरोत ।
प्रश्न - 2	हिन्दू रानी कर्णवती कस्य पार्श्वे रक्षा सूत्रं प्रेषितवती?	समस्यात्मक
प्रश्न - 3	रक्षा बंधनम् कस्य तिथियो भवति ?	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन :- भो छात्राः अद्य वयम् रक्षा बन्धनं विषयो अध्ययनम् करिष्यामः ।

स्पष्टीकरण

क्र. सं.	छात्र अध्यापक क्रिया	छात्रः क्रिया:	घटक
1.	रक्षाबन्धन रक्षाबन्धन पर्व श्रावणमासस्य पूर्णिमायां तिथौ भवति अतएव अस्य नाम श्रावणी इत्यपि प्रसिद्धम् अस्मिन सुपर्वणि सर्वे पूजनं कुर्वन्ति गृहेषु खीरादि क्रियते ?	छात्राः ध्यान पूर्वकं श्रोष्यन्ति ।	2. 3. 4. 2. 3. 4 1. 2. 5.

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

क्र सं.	छात्र अध्यापक क्रिया	छात्र: क्रिया	फल
	अस्यां तिथौ भ्रातरः स्वानुजायां अग्रजायाश्च दक्षिण हस्तेषु रक्षा सूत्राणि बध्नन्ति अतएव अस्याः त्वत्सवं रक्षाबन्धनम् इति नाम्ना प्रसिद्धम् ।	छात्रा ध्यान पूर्वक श्रोष्यति	1.2.3
	चित्तौड़स्य हिन्दीराज्ञी कर्मवती मुसलमान नृपं हुमायुं नृप स्वं भ्रातर मत्वा तस्य पार्श्वे रक्षा सूत्रं प्रेषितवती ।	छात्रा ध्यान पूर्वक श्रोष्यति ।	1.2.3

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

गृहकार्य :—

(1) — रक्षाबन्धनं पर्व श्रावणमासस्य कस्यां भवति
(2) — श्रावणी पर्वणि हिन्दुजनाः केषां पूजनं कुर्वन्ति ।
(3) —

प्रवेक्षक के हस्ताक्षर

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

घटक

1- शरीर संचालन या गतिशीलता
हाव - भाव एवं मुद्रा।

2- स्वर में आरोह - अवरोह।

3- अन्तः क्रिया शैली में परिवर्तन।

4- छात्रों की शारीरिक सहभागिता।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना संख्या – 5

कौशल

(उद्दीपन – कौशल)

विद्यालय का नाम :—

श्रीमती श्यामा देवी डिग्री कॉलेज ऑफ साइन्स मैनेजमेन्ट शिववा रामपुर सकरवारी अम्बेडकरनगर

छात्र अध्यापक का नाम

इन्द्रदेव प्रजापति

दिनांक	कक्षा	विषय	समय	अवधि	कालांश
5/9/2019	6.7	संस्कृत	20 मिनट		III

प्रकरण :—

आदर्श पुरुषोत्तम राम।

सामान्य उद्देश्य :—

(1) शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए छात्रों को ध्यान पाठ की आकर्षित करना।
(2) स्तर पर संचालन को प्रतिबंध व थकान को दूर करना।
(3) कक्षा में एक सत्ता तत्व को जो आसीनता लाती है को हटाना।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

(4) उद्दीपन परिवर्तन निमित्त स्वरों को बदलते हुए छात्रों का ध्यान किसी एक स्थान पर बनाये रखना।

छात्रों का पूर्व ज्ञान :— छात्र: आदर्श पुरुषोत्तम राम नामक पाठस्य विषये सामान्य रूपेण परिचित: सन्ति।

प्रस्तुतीकरण

क्र. सं.	छात्र अध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया	पद
1.	अस्मिन चित्रे त्वम् किम् पश्यसि?	उ– श्री रामचन्द्र।	1.2.3
2.	रामस्य कति भ्रात: आसत?	उ– रामस्य चत्वार: भ्रातर: आसन्।	1.2.3
3.	राम: कस्य पुत्र: आसीत?	उ– राम: दशरथस्य पुत्र आसीत्।	
4.	राम: कं हतवान्?	उ = राम: रावणं हतवान्।	
5.	राम: केषाम् रक्षक: आसीत्।	उ वेद वेदाङ्गों रक्षक:	

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

क्र. स.	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र: क्रिया:	घटक
1-	प्र० रामास्य चरिते के के गुणा: आसन ?	समस्यात्मक	1·2·3

उद्देश्य कथन :—

अधुना वयम् आदर्श पुरुषोत्तम रामः नायक पाठे आदर्श पुरुषस्य गुणानाम् विषये अध्ययनम् करिष्यामः ।

स्पष्टीकरण :—

क्र. सं.	छात्र अध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया	
1-	रामः — प्रजापति समः		
2.	श्रीमान धाता रिपुनिषूदन: रक्षिता जीवलोकस्य धर्मस्य परिरक्षिता रक्षिता स्वस्य रक्षिता वेद तत्वज्ञो धनुर्वेद	छात्रा: ध्यानपूर्वक श्रोष्यन्ति	

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

कर्तृ वाच्य क्रिया :	कर्म क्रिया
च निश्चिव ।	छात्रा ध्यानपूर्वक
सर्व शास्त्रार्थ तत्वज्ञ ।	
स्मृतिमान प्रतिभावान ।	श्रोष्यन्ति ।
सर्व लोक प्रिये साधुर	
दीनात्मा विचक्षणा ।।	

उ०- श्री राम चन्द्र जी ब्राह्मण के समान, समान्त और पालन करने वाले शत्रुओं का विनाश करने वाले संसार के प्राणियों की रक्षा करने वाले धर्म की भली प्रकार रक्षा करने वाले है।

छात्र ध्यानपूर्वक बात को सुनेगा।

श्री राम चन्द्र जी अपने धर्म और स्वजनो की रक्षा करने वाले तथा वेद को जानने वाले धनुर्विद्या में निपुण है श्री रामचन्द्र जी है श्री राम चन्द्र जी सभी शास्त्रो को अर्थ को जानने वाले सम्पूर्ण संसार के उदार आत्मा वाले तथा चतुर है।

छात्र ध्यानपूर्वक।

सुनेंगे।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

गृहकार्य :-

1- रामस्य पुत्र: क: आसीत् ।

2- सीता कस्य पत्नी आसीत् ।

3- राम: जन्म: कदा अभवत् ।

निरीक्षक के हस्ताक्षर

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management